Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 17-05-2006

Participants : Bhargav Shri Girdhari Lal

an>

Title : Need to check increasing price rise in the country.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, यह ऐसा निर्विवाद विाय है जिससे सभी माननीय सदस्य सहमत होंगे। वर्तमान में देश में महंगाई बढ़ती जा रही है, रूकने का नाम नहीं है। इससे गरीब जनता को बड़ी परेशानी हो रही है। उपभोक्ताओं की सभी वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। गेहूं जो पहले 7.50 रूपए किलोग्राम से बढ़कर 10 रूपए प्रति किलोग्राम हो गया है और शरबती गेहूं का दाम 15-20 रूपए प्रति किलोग्राम हो गया है। चने की दाल 25 रूपए से बढ़कर 35 रूपए प्रति किलोग्राम हो गयी है। अरहर की दाल 25 रूपए से 55 रूपए प्रति किलोग्राम हो गयी। उड़द की धुली दाल 35 रूपए से 65 रूपए हो गयी और मूंग की दाल 27 रूपए से बढ़कर 55 रूपए प्रति किलोग्राम हो गयी है। इसी प्रकार से चना साबूत 18 रूपए से बढ़कर 30 रूपए प्रति किलोग्राम हो गया है। …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please keep silence.

… (*Interruptions*)

श्री गिरधारी लाल भार्गव : इसी प्रकार चीनी 18 रूपए से बढ़कर 25 रूपए प्रति किलोग्राम, चावल 25 रूपए प्रति किलोग्राम, सोयाबीन का तेल 50 रूपए प्रति किलोग्राम, सूरजमुखी का तेल 70 रूपए प्रति किलोग्राम हो गया है। टमाटर, आलू महंगे हो गए हैं और प्याज ऐसी हो गयी है जिससे अब आंसू आने भी बंद हो गए हैं। प्रत्येक सब्जी महंगी हो गयी है यानी इस समय दाल-रोटी खाना भी महंगा हो गया है और किसानों को बर्बाद करने के लिए सरकार 35 लाख टन गेहूं आयात कर रही है। राजस्थान में महंगाई और भी चरमसीमा पर पहुंच गयी है। इसके साथ ही साथ पेट्रोल, डीजल, मिट्टी का तेल और रसोई गैस के दाम भी एक वर्ा में तीन-चार बार बढ़ा दिए गए हैं जिससे गरीब जनता को इन सभी चीजों से वंचित होना पड़ जाएगा। अगर इस महंगाई पर रोक नहीं लगाई गयी और ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले समय में गरीब जनता को अपना निर्वाह करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए मेरी केन्द्रीय सरकार से मांग है कि बढ़ती महंगाई रोकने के लिए तुरन्त उपाय करे जिससे गरीब जनता अपने जीवन का निर्वाह कर सके।

आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

-